चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 24.3.2017 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 4-8

उपलब्धि

कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में योगदान के लिए विश्वविद्यालय को दिया गया सम्मान

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवॉर्ड

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवॉर्ड प्रदान किया गया है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने नई दिल्ली में आयोजित अवॉर्ड समारोह में कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह अवॉर्ड प्रदान किया।

अवॉर्ड में विश्वविद्यालय को प्रशस्ति-पत्र, ट्रॉफी तथा एक लाख ग्यारह हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया है। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवॉर्ड के लिए चुना गया है। इससे पूर्व वर्ष 2015 में विश्वविद्यालय को यह अवॉर्ड प्रदान किया गया था। इस मौके पर पद्म गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत भी उपस्थित थे। इस अवॉर्ड का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में आश्यपूर्ण योगदान करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहन देना है।

कुलपति प्रो.केपी सिंह को अवॉर्ड प्रदान करते नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत।

कुलपति ने कहा कि यह अवॉर्ड विश्वविद्यालय के उत्तम अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हम कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को समृद्ध बनाने का उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। आज हरियाणा का केन्द्रीय खाद्यान्न भंडारण में योगदान देने में दूसरा स्थान है। यह अवॉर्ड हरियाणा राज्य तथा इस विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए गर्व का विषय है।

इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर हकृवि को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवॉर्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवॉर्ड, 2017 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार और हाल ही में हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सेल की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। बाजरा, मक्का, सरसों, खरपतवार नियंत्रण व मौसम पूर्वानुमान में इसकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भी सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवॉर्डों से सम्मानित किया गया है। हकृवि ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम वीर भूमि
दिनांक 24.3.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 4-8

कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सम्मानित

हकृवि को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड

- यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह अवार्ड प्रदान किया। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है। इससे पूर्व वर्ष 2015 में इस विश्वविद्यालय को यह अवार्ड प्रदान किया गया था। इस मौके पर महेंद्रा के प्रबंधक निदेशक पवन गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत भी उपस्थित थे।

यह अवार्ड फार्म मशीनरी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी महेंद्रा एंड महेंद्रा लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है जिसका यह नौवा संस्करण है। कुलपति ने कहा यह अवार्ड विश्वविद्यालय के उत्तम अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों का प्रमाण है। उन्होंने कहा हम कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को समृद्ध बनाने का उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा आज हरियाणा का केंद्रीय खाद्यान्न भंडारण में योगदान देने में दूसरा स्थान है।

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह को अवार्ड प्रदान करते नीति आयोग के सीईओ।

किसान रत्न अवॉर्ड से भी विवि सम्मानित

हकृवि को इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड, 2017 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार मिल चुका है। हाल ही में हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। इसके अतिरिक्त बाजरा, मक्का, सरसों, खरपतवार नियंत्रण व मौसम पूर्वानुमान में इसकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भी सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्डों से सम्मानित किया गया है।

282 किस्मों की पहचान व विमोचन किया

इस विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों के कारण वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य भण्डार में योगदान करने वाले राज्यों में हरियाणा का दूसरा स्थान है।

यूरोप-अमेरिका से अनुबंध

हकृवि के छात्रों, फैकल्टी एक्सचेंज, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और पारस्परिक हित के अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के संदर्भ में यूरोप, अमेरिका और एशिया के दो दर्जन से अधिक प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध हैं। यहां विकसित की गई तकनीकों के व्यावसायिकरण के लिए करीब 520 सरकारी और गैरसरकारी कंपनियों व संस्थानों के साथ समझौते किये गये हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून

दिनांक 24.3.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 2.5

कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में योगदान

हकृवि को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड

हिसार, 23 मार्च (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने नयी दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. केपी सिंह को अवार्ड दिया गया। इसमें विश्वविद्यालय को प्रशस्ति-पत्र, ट्राफी तथा एक लाख ग्यारह हजार रुपए का पुरस्कार शामिल है। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है।

नयी दिल्ली में नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत से कृषि सम्मान अवार्ड लेते हकृवि के वीसी प्रो. केपी सिंह।

इससे पूर्व वर्ष 2015 में इस विश्वविद्यालय को यह अवार्ड प्रदान किया गया था। इस मौके पर महेन्द्रा के प्रबंधक निदेशक पवन गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत भी उपस्थित थे।

यह अवार्ड फार्म मशीनरी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लि. द्वारा स्थापित किया गया है, जिसका यह नौवा संस्करण है। इस अवार्ड का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में आशयपूर्ण योगदान करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहन देना है।

विश्वविद्यालय को मिल चुके हैं ये अवार्ड

इससे पहले राष्ट्रीय स्तर पर हकृवि को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थान अवार्ड, 2017 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार और हाल ही में हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 24.3.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1

कृषि के क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ोत्तरी पर दिल्ली में एचएयू को मिला अवॉर्ड

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने नई दिल्ली में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. केपी. सिंह को यह अवार्ड प्रदान किया।

कुलपति ने कहा यह अवार्ड विश्वविद्यालय के उत्तम अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों का प्रमाण है। उन्होंने कहा हम कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को समृद्ध बनाने का उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। अवार्ड में प्रशस्ति-पत्र, ट्राफी तथा एक लाख ग्यारह हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिए गए हैं। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है। इससे पूर्व वर्ष 2015 में इस विश्वविद्यालय को यह अवार्ड प्रदान किया गया था। इस मौके पर महेंद्रा के प्रबंधक निदेशक पवन गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण, पंजाब केसरी

दिनांक 24.3.2019 पृष्ठ सं. 1, 5 कॉलम 6.7, 1-4

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह को किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि और ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया।

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह अवार्ड प्रदान किया। अवार्ड में विश्वविद्यालय को प्रशस्ति-पत्र, ट्रॉफी और 1 लाख 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिए गए हैं। यह दूसरा अवसर है जब विश्वविद्यालय को इस अवार्ड के लिए चुना गया। इससे पूर्व वर्ष 2015 में इस विश्वविद्यालय को यह अवार्ड प्रदान किया गया था।

यह अवार्ड फार्म मशीनरी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लिमिटेड की तरफ से स्थापित किया गया है, जिसका यह 9वां संस्करण है। इस अवार्ड का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि और ग्रामीण समृद्धि में आशयपूर्ण योगदान करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहन देना है। कुलपति ने कहा कि यह अवार्ड विश्वविद्यालय के उत्तम अनुसंधान और विस्तार कार्यों का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि हम कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों को समृद्ध बनाने का उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। कुलपति ने कहा कि यह अवार्ड हरियाणा राज्य और इस विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड

हिसार, 23 मार्च (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया है। नीति आयोग के सी.ई.ओ. अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को यह अवार्ड प्रदान किया। अवार्ड में विश्वविद्यालय को प्रशस्ति-पत्र, ट्राफी तथा एक लाख 11 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है। इस मौके पर महेन्द्रा के प्रबंधक निदेशक पवन गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत भी उपस्थित थे। कुलपति ने कहा हम कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को समृद्ध बनाने का उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा आज हरियाणा का केन्द्रीय खाद्यान्न भंडारण में योगदान देने में दूसरा स्थान है।

समाचार-पत्र का नाम .... नभ छोर ....
दिनांक 23.3.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-5

हकृवि को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड

हिसार/23 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने नई दिल्ली में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह अवार्ड प्रदान किया। अवार्ड में विश्वविद्यालय को प्रशस्ति-पत्र, ट्राफी तथा एक लाख ग्यारह हजार रूपए का नकद पुरस्कार दिए गए हैं। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है। इससे पूर्व वर्ष 2015 में इस विश्वविद्यालय को यह अवार्ड प्रदान किया गया था। इस मौके पर महेन्द्रा के प्रबंधक निदेशक पवन गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत भी उपस्थित थे। यह अवार्ड फार्म मशीनरी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लिमिटिड द्वारा स्थापित किया गया है। इस अवार्ड का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में आशयपूर्ण योगदान करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहन देना है। कुलपति ने कहा यह अवार्ड विश्वविद्यालय के उत्तम अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों का प्रमाण है। उन्होंने कहा हम कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को समृद्ध बनाने का उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा आज हरियाणा का केन्द्रीय खाद्यान्न भंडारण में योगदान देने में दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा यह अवार्ड हरियाणा राज्य तथा इस विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। यहां उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बैस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड, 2017 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार और हाल ही में हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त बाजरा, मक्का, सरसों, खरपतवार नियंत्रण व मौसम पूर्वानुमान में इसकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भी सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्डों से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......पा.के.पत्र......
दिनांक 23.3.2019 पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...7-8...

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड

हिसार, 23 मार्च (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया है। नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत ने नई दिल्ली में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को यह अवार्ड प्रदान किया। अवार्ड में विश्वविद्यालय को प्रशस्ति-पत्र, ट्राफी तथा एक लाख ग्यारह हजार रूपए का नकद पुरस्कार दिए गए हैं। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है। इससे पूर्व वर्ष 2015 में इस विश्वविद्यालय को यह अवार्ड प्रदान किया गया था। इस मौके पर महेन्द्रा के प्रबंधक निदेशक श्री पवन गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत भी उपस्थित थे। यह अवार्ड फार्म मशीनरी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लि. द्वारा स्थापित किया गया है जिसका यह नौवां संस्करण है। इस अवार्ड का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में आशयपूर्ण योगदान करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहन देना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नित्य श्रमिक टाइम्स......

दिनांक ....23.3.2019.... पृष्ठ सं. ....8.... कॉलम ....1-5....

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड

हिसार, 23 मार्च (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में महती योगदान के लिए प्रतिष्ठित कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड प्रदान किया गया है।

नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित अवार्ड समारोह में कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह अवार्ड प्रदान किया। अवार्ड में विश्वविद्यालय को प्रशस्ति-पत्र, ट्राफी तथा एक लाख ग्यारह हजार रूपए का नकद पुरस्कार दिए गए हैं। यह दूसरा अवसर है जब इस विश्वविद्यालय को उपरोक्त अवार्ड के लिए चुना गया है। इससे पूर्व वर्ष 2015 में इस विश्वविद्यालय को यह अवार्ड प्रदान किया गया था। इस मौके पर महेन्द्रा के प्रबंधक निदेशक श्री पवन गोयंका और हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत भी उपस्थित थे।

कुलपति ने कहा यह अवार्ड विश्वविद्यालय के उत्तम अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों का प्रमाण है

यह अवार्ड फार्म मशीनरी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लि. द्वारा स्थापित किया गया है जिसका यह नौवा संस्करण है। इस अवार्ड का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि तथा ग्रामीण समृद्धि में आशयपूर्ण योगदान करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहन देना है।

कुलपति ने कहा यह अवार्ड विश्वविद्यालय के उत्तम अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों का प्रमाण है। उन्होंने कहा हम कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को समृद्ध बनाने का उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा आज हरियाणा का केन्द्रीय खाद्यान्न भंडारण में योगदान देने में दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा यह अवार्ड हरियाणा राज्य तथा इस विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है।

यहां उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड, 2017 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार और हाल ही में हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त बाजरा, मक्का, सरसों, खरपतवार नियंत्रण व मौसम पूर्वानुमान में इसकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भी सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्डों से सम्मानित किया गया है। इस विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं। इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों के कारण वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य भण्डार में योगदान करने वाले राज्यों में हरियाणा का दूसरा स्थान है।

इस विश्वविद्यालय के छात्रों, फैकल्टी एक्सचेंज, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और पारस्परिक हित के अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के संदर्भ में यूरोप, अमेरिका और एशिया के दो दर्जन से अधिक प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध हैं और यहां विकसित की गई तकनीकों के व्यावसायिकरण के लिए करीब 520 सरकारी और गैरसरकारी कंपनियों व संस्थानों के साथ समझौते किये गये हैं।

विश्वविद्यालय की हालिया पहल जैसाकि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए इनोवेशन सैंटर की स्थापना, सैंटर फार बायोनैनाटैकनोलोजी, कॉलेज आफ एग्रीपेन्योर व बिजनेस मैनेजमेंट, दीनदयाल उपाध्याय सैंटर ऑफ एक्सीलेंस फार आर्गेनिक फार्मिंग, एग्री टूरिज्म पार्क, यूनिवर्सिटी इनोवेशन सैंटर, एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सैंटर, आधुनिक स्वदेशी बीज बैंक और आरकेवीवाई इनक्यूबेटर को भी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है, जो नये स्टार्टअप और इनोपेन्योरस को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने इन्सपायरिंग एग्रीपेन्योर की टैगलाइन की तहत बेरोजगार ग्रामीण युवाओं, किसानों और उद्यामियों के लिए भारत के कृषि कौशल परिषद् के सहयोग से पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किये हैं।